विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक20-05-2021

वर्ग- अष्टम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

: पाठ 03('विशेष्य' और 'विशेषण'

जो किसी व्यक्ति या वस्तु या किसी स्थान आदि की विशेषता बताए उसे 'विशेषण' कहा जाता है। उदाहरण- जैसे बहुत सी गोमाताएँ किसी स्थान पर बैठी हुई हैं और आपसे कहा जाए कि "काली गाय को ले आओ" तब आप उन सभी गोमाताओं में से केवल काली गोमाता को ही लायेंगे। अब यहाँ जो "काली" शब्द है वह गोमाता की विशेषता बता रहा है। इसी प्रकार कहीं बहुत से बालक बैठे हों और कोई कहे कि "मैं बालक को रसगुल्ला दूँगा" तो सभी बालक रसगुल्ला लेने आ जाएँगे। किन्तु यदि वह कहे कि "मैं पीले कुर्ते वाले बालक को रसगुल्ला दूँगा" तब

‘पीले कुर्ते वाला’ विशेषण हो गया, इस विशेषण ने उस बालक को अन्य बालकों से अलग कर दिया।

अब ‘विशेष्य’ को जानिये। जिसकी विशेषता बताई जाए वह ‘विशेष्य’। जैसे- “कपिला गाय” कहा जाए तो ‘कपिला’ विशेषण है और ‘गाय’ विशेष्य है।

Lजो लिंग, विभक्ति और वचन विशेष्य के होंगे वही विशेषण के भी होंगे। यह संस्कृतभाषा की अद्भुत विशेषता है। इन विशेष्य विशेषणों को आप वाक्य में कहीं भी रख दें किन्तु वाक्य का अर्थ नहीं बदलेगा।

यह तो आपको ‘विशेष्य’ और ‘विशेषण’ के विषय में बताया। कल आपको सर्वनाम विशेषण के बारे में बताएँगे जो कि बहुत महत्त्वपूर्ण विषय है। और आपसे एक आग्रह है कि किसी पाठ से सम्बन्धित कोई संशय, जिज्ञासा आदि हो तो निःसंकोच पूछिये। अधोलिखित वाक्यों में आपको ‘विशेष्य’ ‘विशेषण’ का अभ्यास कराते हैं।

वाक्य अभ्यास :

नटखट कन्हैया कपिला गाय का दूध पीता है।

= कौतुकी कृष्णः कपिलायाः धेनोः दुग्धं पिबति।

सुन्दर बच्ची मधुर कण्ठ से मधुर गीत गाती है।

= सुन्दरी बालिका मधुरेण कण्ठेन मधुरं गीतं गायति।

चपल बन्दर विशाल वृक्षों पर पके फल खाता है।

= चपलः वानरः विशालेषु वृक्षेषु पक्वानि फलानि खादति।

दुष्ट शिकारी तीखे बाणों से हिरन को मारता है।

= दुष्टः व्याधः तीक्ष्णैः शरैः हरिणं हन्ति।

तुम दोनों निर्धन आदमी को भयंकर ठण्ड में अच्छे वस्त्र देते हो।

= युवां निर्धनाय पुरुषाय भयङ्करे शैत्ये शोभनानि वस्त्राणि यच्छथः । (यच्छ् -देना)

चतुर स्त्री सुगन्धित पुष्पों को माला में गूँथती है।

= चतुरा नारी सुगन्धितानि पुष्पाणि मालायां ग्रथ्नाति।